7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 गो तस्करी पर नकेल

5 चौथे ओवर की चौथी गेंद... जिंदगी की पिच से आउट हुआ युवक

8 पीएम मोदी से स्किन केयर रूटीन पूछने वाली हरलीन के क्यूट लुक्स

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 20 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 10 नवम्बर ,2025

हर–हर महादेव के जयघोष के साथ काशी से रवाना हुई वंदे भारत

पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

बनारस रेलवे स्टेशन पर पहली बार पीएम मोदी ने वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा

पीएम ने कहा कि दुनिया भर के विकसित देशों में आर्थिक विकास का बहुत बड़ा कारण वहां का इंफ्रास्ट्रक्चर रहा है। जिन भी देशों में बड़ी प्रगति, बड़ा विकास हुआ है, उनके आगे बढ़ने के पीछे बहुत बड़ी शक्ति वहां के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की है। आज भारत भी बहुत तेज गति से इसी रास्ते पर चल रहा है। इसी कड़ी में आज देश के अलग–अलग हिस्सों में नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत हो रही है।
कहा कि काशी से खजुराहो वंदे भारत के अलावा, फिरोजपुर–दिल्ली वंदे भारत, लखनऊ–सहारनपुर वंदे भारत और एर्नाकुलम–बेंगलुरू वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई गई है। इन चार नई वंदे भारत ट्रेनों के साथ ही अब देश में 160 से ज्यादा नई वंदे भारत ट्रेनों का संचालन होने लगा है।

वाराणसी,संवाददाता

बनारस रेलवे स्टेशन पर शनिवार की सुबह जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस से खजुराहो जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई, वहां मौजूद लोगों ने हर–हर महादेव का जयघोष किया और ट्रेन काशी से खजुराहो के लिए रवाना हो गई। लोगों ने हाथ उठाकर प्रधानमंत्री का अभिवादन भी किया। आठ कोच वाली इस उद्घाटन स्पेशल ट्रेन में पहले दिन 400 से ज्यादा लोगों ने सफर किया। सुबह 8.41 बजे बनारस से निकली ट्रेन शाम 4.30 बजे खजुराहो पहुंची।

बनारस रेलवे स्टेशन पर ऐसा पहली बार हुआ जब प्रधानमंत्री ने खुद किसी गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्लेटफॉर्म नंबर 8 पर प्रधानमंत्री सुबह 8.16 बजे पहुंचे। इसके बाद ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान चार ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इसमें बनारस से खजुराहो वाली ट्रेन को ऑफलाइन जबकि लखनऊ–सहारनपुर, फिरोजपुर कैंट– दिल्ली और एर्नाकुलम से बंगलूरु तक जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस का ऑनलाइन उदघाटन किया गया। इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रेलवे स्टेशन परिसर में आने पर स्वागत किया। प्लेटफार्म नंबर 8 पर मौजूद बड़ी संख्या मे लोगो ने हर हर महादेव,हर हर मोदी का जयघोष किया। इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

लोगो में दिखा उत्साह

पकड़ी गई कालेधन की बड़ी खेप

पकड़े गए रुपये के साथ जीआरपी थाना प्रभारी और टीम के सदस्य। पीछे खड़ा व्यापारी(लाल शर्ट में)।

संवाददाता, गोरखपुर। रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार की सुबह वैशाली एक्सप्रेस से यात्रा के लिए पहुंचे एक व्यापारी से 99.9 लाख रुपये नकद बरामद हुए। तलाशी के दौरान इतनी बड़ी राशि मिलने पर जीआरपी ने इसकी जानकारी आयकर विभाग को दी। व्यापारी के पास इस रकम के वैध दस्तावेज नहीं मिले, पूरी नकदी जब्त कर जांच शुरू कर दी गई। जानकारी के मुताबिक, पकड़ा गया व्यापारी मुकुंद माधव, बिहार के मोकामा का निवासी है।

वैशाली एक्सप्रेस में मोकामा के एक व्यापारी से 99.9 लाख रुपये की बरामदगी हुई है। इतनी बड़ी रकम मिलने से अधिकारी हरकत में आ गए हैं और मामले की जांच कर रहे हैं। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह पैसा कहां से आया और इसे कहां ले जाया जा रहा था।

बिहार चुनाव 2025

121 सीटे

1314 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद

बिहार में परिवार के साथ वोट डालने पहुंचे तेजस्वी, नीतीश ने मतदान के बाद दिया संदेश

सीएम नीतीश कुमार ने किया मतदान।

संदेश

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर में मतदान किया। वोटिंग करने के बाद अपनी स्याही लगी उंगली दिखाते हुए वोट डालने का संदेश दिया। वहीं उनके मौजूद जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने दावा किया कि छव। की प्रचंड जीत होने जा रही है। सभी मतदाता से अपील है कि वह लोकतंत्र में जरूर भाग लें।

लालू यादव ने किया मतदान।

संदेश

तेजस्वी यादव ने अपने पिता और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव समेत परिवार के सदस्यों के साथ पटना स्थित वेटरिनरी कॉलेज के मतदान केंद्र पर वोट डाला। वोट डालने के बाद लालू यादव का परिवार के संग एक समूह चित्र भी सामने आया है। जिसमें उनके परिवार के सभी सदस्य स्याही लगी हुई उंगली दिखाते हुए दिख रहे हैं।

सम्पादकीय

ना'पाक परमाणु परीक्षण!

पाकिस्तान ने तीसरी बार परमाणु परीक्षण किया है अथवा परीक्षण किया जा रहा है या ऐसी कोई रणनीति है! अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐसा खुलासा कर दुनिया में सनसनी फैला दी है। उन्होंने कहा है कि रूस, चीन, उत्तरी कोरिया और पाकिस्तान परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। सिर्फ अमरीका ने ऐसा नहीं किया है। अमरीका ने 1992 में अंतिम परमाणु परीक्षण किया था, जब 1990 में रूस ने परीक्षण कर विश्व को चौंका दिया था। हडक़ंप मच गई थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने अब यह भी कहा है कि अमरीका हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकता, लिहाजा बहुत संभावनाएं हैं कि तीन लंबे दशकों के बाद अमरीका फिर परमाणु परीक्षण करे! वैसे ट्रंप के बयान भरोसे लायक नहीं हैं, क्योंकि वह अनर्गल अलाप के आदी हैं, लेकिन परमाणु परीक्षण के संदर्भ में अमरीकी राष्ट्रपति व्यर्थ बयान नहीं दे सकते, ऐसा हमारा मानना है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान को रूस, चीन, उत्तरी कोरिया की जमात में रख कर खुलासा किया है। ये सभी देश परमाणु परीक्षण करने में जुटे हैं। मसलन–रूस ने 'खाबरोवस्क' परमाणु पनडुब्बी लॉन्च की है, जो परमाणु रिएक्टर से चलेगी। यह पानी में 500 मीटर भीतर तक कारगर है और बहुत विनाशकारी हथियार है। रूस ने हाल ही में 14,000 किमी तक प्रहार करने वाली मिसाइल का भी परीक्षण किया है, जिसे लेकर अमरीका समेत शेष विश्व भयभीत हैं। उसके वारहेड भी परमाणुमय हैं। चीन का बयान भी सामने आया है कि वह पहले परमाणु हथियार का इस्तेमाल नहीं करेगा। हमारे हथियार आत्मरक्षा के लिए हैं। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी पर्दाफाश किया है कि ऐसे परीक्षण जमीन के गहरे भीतर किए जाते हैं। उनसे जो कंपन होता है, उसे 'भूकम्प' करार दिया जाता है। चूंकि बीते रविवार को अफगानिस्तान में भी कथित भूकम्प के, 6.3 की तीव्रता के, झटके महसूस किए गए, जिनमें 20 लोगों की मौत हो गई।

ऐसे झटके भारत के किसी भी हिस्से में महसूस नहीं किए गए, जबकि पाकिस्तान उससे सटा हुआ पड़ोसी देश है। बल्कि पाकिस्तान भारत का सहोदर देश है। यह एक गंभीर सवाल हो सकता है। सवाल यह भी मौजू है कि जिस देश पर 103.38 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए का कर्ज है, जिस देश की जीडीपी के 70 फीसदी हिस्से के बराबर कर्ज है, जिसके प्रत्येक नागरिक पर 1230.5 डॉलर की उधारी है और 40 फीसदी से अधिक आबादी 'गरीबी–रेखा' के नीचे है, क्या ऐसा देश परमाणु परीक्षण की सोच सकता है? अथवा परीक्षण कर सकता है? राष्ट्रपति ट्रंप के खुलासे के बाद पाकिस्तान की सिट्टी–पिट्टी गुम है। खुफिया एजेंसी आईएसआई और सेना की तरफ से भी कोई प्रतिक्रिया नहीं है। ज्यादातर मंत्रियों और फौजी अफसरों तक को कोई जानकारी नहीं है। पाकिस्तान राष्ट्रपति ट्रंप के बयान का खंडन नहीं कर सकता, क्योंकि 'आका' नाराज हो जाएंगे और उधारी का रास्ता बंद हो जाएगा। यदि पाकिस्तान परमाणु परीक्षण की आधिकारिक पुष्टि करता है, तो अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा प्राधिकरण (आईएईए) सख्त कार्रवाई कर सकता है। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम पर ढक्कन लगा कर आईएईए उसके परमाणु हथियारों को अपने कब्जे में ले सकता है। पाकिस्तान पर अमरीका भी आर्थिक पाबंदियां थोप सकता है। सवाल यह भी है कि क्या परमाणु परीक्षण चोरी–छिपे किए जा सकते हैं? भारत ने मई, 1998 में पोखरण में एक साथ पांच परमाणु परीक्षण किए थे। बदले में पाकिस्तान ने भी 29–30 मई, 1998 को चागई–1 और 2 के तहत कुल पांच परीक्षण किए।

उनके बाद कोई परमाणु परीक्षण नहीं किए गए, लेकिन पाकिस्तान में परमाणु हथियारों की सुरक्षा के मद्देनजर आशंकाएं उठाई जाती रही हैं कि परमाणु अस्त्र आतंकियों के हाथों में जा सकते हैं अथवा पाकिस्तान सऊदी अरब सरीखे मुस्लिम देशों को परमाणु हथियार किराये पर भी दे सकता है। क्या ऐसा संभव है? पाकिस्तान में परमाणु अस्त्रों की ऐसी असुरक्षा के मद्देनजर भारत की संप्रभुता और अखंडता को लेकर भी सवाल उठाए जाते रहे हैं। खतरों पर चिंताएं जताई जाती रही हैं। हालांकि सेना ने बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि भारत हरेक खतरे और चुनौती का सामना करने में सक्षम है। यदि परमाणु परीक्षण किया जा रहा है, तो भी भारत की सेनाएं और सरहदें चौकस हैं। हालांकि हम विदेश मंत्रालय के अधिकृत बयान की प्रतीक्षा में हैं। पुष्टि के बाद ही ऐसे बयान संभव हैं। विश्व समुदाय को यह सुनिश्चित बनाना चाहिए कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार आतंकवादियों के हाथ न लगें।

अमेरिका को दुनिया को परमाणु संकट की ओर धकेलने की इजाज़त नहीं दी जा सकती

29 अक्टूबर को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि 'अन्य देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण, मैंने युद्ध विभाग (पेंटागन) को समान आधार पर हमारे परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू करने का निर्देश दिया है। यह प्रक्रिया तुरंत शुरू होगी।' यह बयान न केवल परेशान करने वाला है, बल्कि बेहद खतरनाक भी है। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा किया गया आखिरी परमाणु विस्फोट 1992 में हुआ था। उत्तर कोरिया के अलावा, 1990 के दशकांत से किसी भी देश ने परमाणु हथियारों का परीक्षण नहीं किया है। ऐसे समय में जब दुनिया के बड़े हिस्से पहले से ही प्रत्यक्ष या छद्म युद्धों में उलझे हुए हैंकृऔर जब कई क्षेत्र विनाशकारी गृहयुद्धों का सामना कर रहे हैं, जिससे सामूहिक हत्याएं, भुखमरी और मानवीय पीड़ा हो रही हैकृऐसा आदेश दुनिया को अंधकार के एक नए युग में धकेलने का खतरा पैदा करता है। इससे पहले से ही ख़तरनाक वैश्विक हथियारों की होड़ और तेज़ हो जाएगी। जिन देशों के पास पहले से ही परमाणु हथियार हैं, वे अपने शस्त्रागार का और भी तेज़ी से विस्तार और आधुनिकीकरण करेंगे।

इसके अलावा, परमाणु हथियार विकसित करने की तकनीकी क्षमता वाले देश भी इस दौड़ में शामिल होने के लिए मजबूर हो सकते हैं।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका इस निर्देश को वापस नहीं लेता है, तो रूस भी इसी तरह जवाब देगा। सभी परमाणु शक्तियां बेहतर वितरण प्रणालियों का विकास और परीक्षण कर रही हैं, जिनमें सबसे हाल ही में रूस ने अपने पानी के नीचे चलने वाले 'पोसिडॉन' परमाणु ड्रोन और परमाणु ऊर्जा से चलने वाले 'बुरेवेस्टनिक' परमाणु–सशस्त्र क्रूज़ मिसाइल का परीक्षण किया है। चीनी विदेश मंत्री ने अमेरिका से परमाणु परीक्षण पर लगी रोक न तोड़ने की अपील की है।

ईरान, जो लंबे समय से परमाणु हथियारों के विकास को लेकर अमेरिकी आरोपों का निशाना रहा है, ने इस कदम की कड़ी निंदा की है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने राष्ट्रपति ट्रम्प के +फैसले को 'प्रतिगामी' और 'गैर–ज़िम्मेदाराना' बताया और अमेरिकी नेता को 'परमाणु–सशस्त्र धौंसिया' कहा। ईरान के राष्ट्रपति का कहना है कि तेहरान अपनी परमाणु सुविधाओं का पुनर्निर्माण करेगा। जून में, अमेरिका ने ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले किए, जिनके बारे में वाशिंगटन का कहना है कि वे परमाणु हथियार विकसित करने के एक कार्यक्रम का हिस्सा थे। इराक पर अमेरिका के नेतृत्व वाले हमले को इस झूठे दावे के आधार पर उचित ठहराया गया था कि इराक के पास सामूहिक विनाश के हथियार हैं। हालांकि सद्दाम हुसैन के शासन को तुरंत उखाड़ फेंका गया, लेकिन इस आक्रमण ने क्षेत्र को लंबे समय तक अस्थिरता, हिंसा और अराजकता में डुबो दिया। 22 जून, 2025 को भी ऐसा ही एक पैटर्न देखा गया, जब अमेरिकी वायु सेना और नौसेना ने ईरान–इज़राइल संघर्ष के हिस्से के रूप में 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' के तहत ईरान में तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला किया। ईरान ने आरोपों का खंडन किया और हमले की कड़े शब्दों में निंदा की।

आधुनिक परमाणु हथियार हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए हथियारों से कहीं अधिक शक्तिशाली हैं। वैज्ञानिक शोध से पता चला है कि प्रमुख शक्तियों के बीच किसी भी बड़े पैमाने पर परमाणु आदान–प्रदान आधुनिक सभ्यता की नींव को नष्ट कर देगा– जो हजारों वर्षों की मानव प्रगति पर आधारित है। भारत और पाकिस्तान के बीच एक सीमित परमाणु आदान–प्रदान भी दो अरब से अधिक लोगों के जीवन को खतरे में डाल सकता है। प्रमाण स्पष्ट हैं : परमाणु हथियार मानवता के अस्तित्व के लिए ख़तरा हैं और इन्हें समाप्त किया जाना चाहिए। परमाणु हथियारों से उत्पन्न गंभीर ख़तरों को समझते हुए, परमाणु–सशस्त्र राष्ट्रों पर निरस्त्रीकरण की दिशा में आगे बढ़ने का वैश्विक दबाव लंबे समय से रहा है। हालांकि कुछ संधियों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, लेकिन प्रमुख शक्तियों ने उन्हें आंशिक रूप से और अक्सर अनिच्छा से ही लागू किया है। यहां कुछ प्रमुख शस्त्र न्यूनीकरण और नियंत्रण संधियों का उल्लेख करना महत्वपूर्ण है। सामरिक शस्त्र न्यूनीकरण संधियां (स्टार्ट– 1, 2, और न्यू स्टार्ट), जिनका उद्देश्य अमेरिका और रूस के बीच द्विपक्षीय समझौतों के तहत सामरिक परमाणु हथियारों को कम करना था; मध्यम दूरी की परमाणु शक्ति (आईएनएफ) संधि (1987); 500 से 5,500 किमी की मारक क्षमता वाली अमेरिकी और सोवियत भूमि–आधारित बैलिस्टिक और क्रूज़ मिसाइलों पर प्रतिबंध; एंटी–बैलिस्टिक मिसाइल (एबीएम) संधि (1972) जिसके तहत आने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए डिज़ाइन की गई प्रणालियों की तैनाती को सीमित किया गया; सामरिक शस्त्र सीमा वार्ता (एसएएलटी 1 और 2), जिसके तहत अंतरमहाद्वीपीय और पनडुब्बी–प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइलों की संख्या सीमित कर दी गई; परमाणु हथियारों के अप्रसार पर संधि (एनपीटी), जिसका उद्देश्य परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकना और निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देना है; व्यापक परमाणु–परीक्षण–प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी), जो किसी भी उद्देश्य के लिए सभी परमाणु विस्फोटों पर प्रतिबंध लगाती है; और आंशिक परीक्षण प्रतिबंध संधि (पीटीबीटी), जो वायुमंडल, बाह्य अंतरिक्ष और पानी के भीतर परमाणु परीक्षणों पर प्रतिबंध लगाती है।

वोट चोरी के सबूतों का हाइड्रोजन बम

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकालने के बाद 1 सितम्बर को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ऐलान कर दिया था कि वे अब हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकालने के बाद 1 सितम्बर को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ऐलान कर दिया था कि वे अब हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे। तब भाजपा ने उनका आदतन या रणनीति के तहत मजाक उड़ाया था कि राहुल कांग्रेस को चुनाव नहीं जिता सकते तो वोट चोरी का बहाना बनाते हैं। भाजपा ने हाइड्रोजन बम को सीधे अहिंसा से भी जोड़ा था, मानो गांधीजी के विचारों पर भाजपा से बेहतर कोई और नहीं चलता। भाजपा राहुल गांधी को हतोत्साहित करने की पूरी कोशिश करती रही और सितम्बर के बाद अक्टूबर भी बीत गया तो पार्टी काफी हद तक निश्चिंत हो गई थी कि अब राहुल का हाइड्रोजन बम नहीं फूटने वाला। लेकिन भाजपा को शायद यह अनुमान नहीं था कि बिहार विधानसभा चुनावों में पहले दौर के मतदान से ठीक एक दिन पहले फिर नए सबूतों के साथ देश को बताएंगे कि कैसे चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर लाखों वोटों की हेरा–फेरी की है।

5 नवंबर बुधवार की सुबह खबर आई कि 12 बजे राहुल गांधी कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करने वाले हैं, इसी के साथ तस्वीरें आईं जिनमें सामान ढोने वाली ट्रॉली में कागजात के ऊंचे–ऊंचे बंडल लाए जा रहे थे। तभी समझ आ गया था कि राहुल गांधी ने जिस हाइड्रोजन बम की चेतावनी सितम्बर में दी थी, अब उसका धमाका होने वाला है। और वाकई ऐसा धमाका हुआ है कि चुनाव आयोग और भाजपा पूरी तरह हिल चुके हैं। राहुल की प्रेस कांफ्रेंस के फौरन बाद ही मोदी सरकार में मंत्री किरण रिजीजू ने प्रेस कांफ्रेंस की और कहा कि बिहार में कांग्रेस का कुछ होने वाला नहीं है, इसलिए हरियाणा का जिक्र कर ध्यान भटकाया जा रहा है। वहीं हरियाणा के मुख्य चुनाव आयुक्त ने बुधवार को राहुल की प्रेस कांफ्रेंस के फौरन बाद चुनाव के विभिन्न चरणों की पारदर्शिता और क्रियान्वयन के बारे में लंबी–चौड़ी सफाई सोशल मीडिया पर पोस्ट की। इससे पता चलता है कि अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करने की तैयारी पहले ही राज्य चुनाव आयोग ने कर ली थी। हालांकि राहुल गांधी ने बड़े आरोप मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लगे हैं। उनकी तरफ से इन पंक्तियों के लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया है।

ज्ञात हो कि हरियाणा चुनाव में मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने कहा था कि हमारी जीत तय है और सारी व्यवस्था हो गई है। इस व्यवस्था शब्द को पकड़ कर राहुल गांधी ने बताया कि भाजपा की चुनावी रणनीति में इसका असली मतलब क्या है। किस तरह चुनाव आयोग को जरिया बनाकर भाजपा धांधली करवा रही है। लेकिन किरण रिजीजू का कहना है कि व्यवस्था का मतलब हमारे समर्पित कार्यकर्ताओं की पूरी तैयारी है, जो चुनाव जिताने में मेहनत करते हैं। हालांकि इस वार–पलटवार से उन सवालों के जवाब नहीं मिल रहे, जो राहुल गांधी ने उठाए हैं। जैसे मतदाता सूची में राहुल गांधी ने एक ब्राजीलियन मॉडल का चेहरा दिखाया, जिसका नाम 22 जगहों पर मतदाता के तौर पर दर्ज था। एक प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा था कि मकान नंबर शून्य उन्हें दिया जाता है, जो दुर्भाग्यशाली लोग बेघर होते हैं। जो लैंपपोस्ट के नीचे या फुटपाथ पर रहते हैं। लेकिन हरियाणा की मतदाता सूची में मकान नंबर शून्य वाले कई मतदाताओं के पास बड़े घर का मालिकाना हक राहुल गांधी ने दिखा दिया। राहुल गांधी ने बताया कि कुछ भाजपा नेता और उनके रिश्तेदार जो उत्तरप्रदेश में वोट डालते हैं, उनका नाम भी हरियाणा की वोटर लिस्ट में था। कई वोटर आईडी में फोटो एकदम धुंधली है और उस धुंधले चेहरे को कई बूथों पर वोटर के तौर पर राहुल गांधी ने दिखा दिया। ऐसी गलतियां दो–चार होती तब भी इन पर संदेह नहीं होता। हालांकि कम्प्यूटर और एआई की मदद से जब वोटर लिस्ट बनाई जा रही हो, तब ऐसी गलतियां शून्य होना चाहिए। लेकिन हरियाणा में दस–बीस नहीं कम से कम 25 लाख मतदाताओं की चोरी की गई है। राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस में कुछ लोगों की आपबीती भी सुनाई गई, जिनके नाम लोकसभा चुनावों के वक्त दर्ज थे और जिन्होंने वोट भी दिए थे। लेकिन विधानसभा में उनके नाम काट दिए गए। संविधान के तहत वयस्क मताधिकार का जो अनूठा उपहार भारतीय नागरिकों को मिला है, वह बेशकीमती है। लेकिन दुख की बात है कि भाजपा के शासन में इस अनमोल तोहफे को चालाकी से छीना जा रहा है। इसलिए राहुल गांधी को सीधा आह्वान करना पड़ा कि जेन ज़ी यानी नयी पीढ़ी के लोग अहिंसक तरीके से इस चोरी को रोकने और लोकतंत्र को बचाने के लिए आगे आएं।

गो तस्करी पर नकेल

गोरखपुर पुलिस संग 25 हजार इनामी पशु तस्कर की मुठभेड़, गिरफ्तार– बिहार का था 'वांटेड'

गोरखपुर,संवाददाता। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि 5/6 नवंबर की रात पुलिस गश्त के दौरान सूचना मिली कि वांछित इनामी अपराधी पप्पू शाह बनसप्ति माता मंदिर तिराहे की ओर आ रहा है। पुलिस ने घेराबंदी की, तभी एक संदिग्ध व्यक्ति बिना नंबर प्लेट की बाइक से आता दिखा। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन आरोपी ने पुलिस पर फायर झोंक दिया।

पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गो–तस्करी के आरोप में वांछित 25,000 रुपये के इनामी बदमाश पप्पू शाह को खोराबार थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बिहार के गोपालगंज जिले का रहने वाला है और उस पर कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि 5/6 नवंबर की रात पुलिस गश्त के दौरान सूचना मिली कि वांछित इनामी अपराधी पप्पू शाह बनसप्ति माता मंदिर तिराहे की ओर आ रहा है। पुलिस ने घेराबंदी की, तभी एक संदिग्ध व्यक्ति बिना नंबर प्लेट की बाइक से आता दिखा।

खोराबार पुलिस संग मुठभेड़ में गिरफ्तार पशु तस्कर

पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन आरोपी ने पुलिस पर फायर झोंक दिया। अस्पातल में भर्ती घायल पशु तस्कर व खोराबार एसओ इत्यानंद पांडेय व अन्य – आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें अभियुक्त के पैर में गोली लग गई और वह गिर पड़ा।

मौके पर ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से देशी तमंचा (.315 बोर) व कारतूस बरामद हुआ है। आरोपी की पहचान बिहार के इनामी बदमाश पप्पू शाह के रुप में हुई।

'सुबह एजेंट का सामना कैसे करूंगी...

कर्ज तले दबी महिला ने दी जान गिरवी जमीन छुड़ाने के लिए लिया कर्जा

गोरखपुर,संवाददाता। बस्ती के राम नगर ब्लॉक के नरखोरिया गांव में मनिता की खुदकुशी ने एक बार फिर समूह कर्ज के जाल में फंसकर छटपटा रहीं महिलाओं की हालत को उजागर कर दिया है। समूहों के एजेंट कर्ज लेने वाले परिवार, खासकर महिलाओं पर मानसिक दबाव बनाकर उनका जीना मुहाल किए हुए है। बस्ती के सोनहा थाना क्षेत्र के नरखोरिया गांव की 47 वर्षीय मनिता देवी ने बृहस्पतिवार सुबह घर में फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। पति बसंत सोनी के अनुसार, उन्होंने चार समूहों से करीब चार लाख रुपये का कर्ज लिया था पर वह उसकी किस्त नहीं चुका पा रहे थे। समूह के एजेंट बार–बार किस्त के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। बुधवार को भी एक एजेंट ने किस्त नहीं चुकाने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। इसी से परेशान होकर पत्नी ने यह कदम उठा लिया। फिलहाल परिवार ने तहरीर नहीं दी है।

मनिता की बेटी शिवांगी ने बताया की परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। खेती–किसानी कर किसी तरह घर चलता है। दो भाई गंगाराम व छोटू बाहर रहते हैं। बड़े भाई गंगाराम की शादी और गिरवी रखी जमीन छुड़वाने के लिए मां ने समूह से कर्ज लिया था पर खराब आर्थिक हालात के कारण किस्त नहीं चुका पा रहे थे। किस्त चुकाने के लिए एजेंट लगातार दबाव बना रहे थे। मनिता के पति बसंत का कहना है कि बुधवार को एक समूह का एजेंट वसूली करने आया था। उसने धमकी दी थी कि बृहस्पतिवार को फिर आएगा और किस्त की रकम नहीं मिली तो अंजाम बुरा होगा। पत्नी पूरी रात इस फिक्र में सो नहीं पाई कि सुबह एजेंट का सामना कैसे करेगी।

बसंत का कहना है कि बृहस्पतिवार सुबह करीब सात बजे उसकी नींद खुली तो उसकी पत्नी की फंदे से लटकी मिली। आनन–फानन उसे सीएचसी भानपुर ले गए, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गिरवी जमीन छुड़ाने के लिए लिया कर्ज...किस्त अदायगी में गई जान

राम नगर ब्लॉक के नरखोरिया गांव में मनिता की खुदकुशी ने एक बार फिर समूह कर्ज के जाल में फंसकर छटपटा रहीं महिलाओं की हालत को उजागर कर दिया है। समूहों के एजेंट कर्ज लेने वाले परिवार, खासकर महिलाओं पर मानसिक दबाव बनाकर उनका जीना मुहाल किए हुए है। यह घटना इसकी बानगी है। कर्ज होने की वजह से ऐसी सैकड़ों महिलाएं किसी से शिकायत भी नहीं कर पा रही हैं। अंदर ही अंदर घुट–घुटकर छुटकारा पाने की कोशिश में जान देने पर विवश हो जा रही हैं। मनिता की बेटी शिवांगी बताती है कि पिता बसंत सोनी की माली हालत काफी खराब है।

लंदन से भाई बनकर गिफ्ट भेजने का दिया झांसा

ठगी गई दो बहनें– 26.45 लाख रुपये ठगे– ऐसे हुई जानकारी

गोरखपुर,संवाददाता। डिलीवरी बॉय और अमन दोनों ने उन्हें तरह–तरह के बहाने बनाकर रुपये भेजने को मजबूर किया। अमन ने कहा कि यहां आने पर उसे सीबीआई ने मुंबई में गिरफ्तार कर लिया है और लंदन लौटने के लिए रुपये चाहिए। उसकी जान बचाने के लिए दोनों बहनों ने अपने जेवर बेच दिए और अप्रैल से 15 अक्तूबर तक कुल मिलकर 26.45 लाख रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दिए। चौरीचौरा इलाके में रहने वाली दो बहनों के साथ 26.45 लाख रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। जालसाज ने खुद को लंदन निवासी और भाई बताकर गिफ्ट भेजने के नाम पर दोनों बहनों को भरोसे में लिया और अलग–अलग खातों में रकम मंगवाकर ऐंठ ली। पीड़ित बहनों की तहरीर पर साइबर थाने की पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चौरीचौरा की 35 वर्षीय अंजू वर्मा ने पुलिस को बताया कि उनके पति बाहर रहते हैं। घर पर उनके साथ सगी बहन खुशबू रहती है। 22 अप्रैल 2025 को खुशबू के सोशल मीडिया अकाउंट पर अमन नाम के एक अजनबी की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई, जिसे उसने गलती से स्वीकार कर लिया। इसके बाद वह लगातार चैट करने लगा और खुद को लंदन का रहने वाला बताया।

उसने कहा कि उसकी कोई बहन नहीं है और वह दोनों को अपनी बहन मानता है। इस तरह बातचीत बढ़ती गई और दोनों के साथ वह भावनात्मक रूप से जुड़ गया। कुछ दिन बाद अमन ने बताया कि 25 अप्रैल को उसका जन्मदिन है और उसने दोनों बहनों के लिए गिफ्ट भेजा है। 28 अप्रैल को खुशबू के फोन पर हिमांशु खरे नामक व्यक्ति ने कॉल कर खुद को डिलीवरी बॉय बताया। उसने कहा कि गिफ्ट मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंच चुका है लेकिन उसे छुड़ाने के लिए 17,000 रुपये देने होंगे। बहनों ने भरोसा कर भुगतान कर दिया। थोड़ी देर बाद उसी व्यक्ति का दोबारा फोन आया कि गिफ्ट में डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी होने के कारण कस्टम टैक्स के रूप में 50,000 रुपये और देने होंगे। उन्होंने किसी तरह रुपये की व्यवस्था कर भेज दिए लेकिन गिफ्ट नहीं मिला।

रकम भेजने के लिए बहनों ने बेच दिए जेवर

इसके बाद डिलीवरी बॉय और अमन दोनों ने उन्हें तरह–तरह के बहाने बनाकर रुपये भेजने को मजबूर किया। अमन ने कहा कि यहां आने पर उसे सीबीआई ने मुंबई में गिरफ्तार कर लिया है और लंदन लौटने के लिए रुपये चाहिए। उसकी जान बचाने के लिए दोनों बहनों ने अपने जेवर बेच दिए और अप्रैल से 15 अक्तूबर तक कुल मिलकर 26.45 लाख रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दिए। आखिरकार जब कोई गिफ्ट नहीं पहुंचा और संपर्क टूट गया, तो उन्हें ठगी का अहसास हुआ। अंजू ने बताया कि अब दोनों बहनें मानसिक रूप से बेहद परेशान हैं। एसपी क्राइम सुधीर जायसवाल ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। साइबर एक्सपर्ट्स की टीम को जालसाज का पता लगाने का जिम्मा सौंपा गया है।

साइबर ठगी से बचने के उपाय

अनजान लोगों से ऑनलाइन दोस्ती न करें।

निवेश या गिफ्ट के लालच से बचें।

अनजान लिंक और स्कैनर से सावधान रहें।

बैंक और ओटीपी की जानकारी साझा न करें।

ऑफिशियल वेबसाइट या एप का ही इस्तेमाल करें।

जूनियर टीम रामगढ़ताल में ले रही थी प्रशिक्षण मछुआरों ने रोइंग खिलाड़ियों पर किया हमला

गोरखपुर,संवाददाता। कोचों के अनुसार, 5 नवंबर की सुबह लगभग 8:00 बजे, जब रोइंग की जूनियर टीम (उत्तर प्रदेश) का प्रशिक्षण चल रहा था, तभी दो अज्ञात मछुआरों ने नाव से आकर खिलाड़ियों पर प्राणघातक हमला कर दिया।

हमले के दौरान खिलाड़ी प्रवीण, हरिनाथ, दीपक और शांतनु को निशाना बनाया गया। मछुआरों ने वॉटरपूल रोइंग बोर्ड को भी तोड़ दिया और खिलाड़ियों को गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी। रामगढ़ताल स्थित वॉटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे रोइंग खेल के प्रशिक्षण के दौरान मछुआरों द्वारा बुधवार को खिलाड़ियों पर हमला किए जाने की घटना सामने आई है। इस संबंध में रोइंग कोच विकास पाल और अशोक कुमार ने थाना रामगढ़ताल में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

कोचों के अनुसार, 5 नवंबर की सुबह लगभग 8:00 बजे, जब रोइंग की जूनियर टीम (उत्तर प्रदेश) का प्रशिक्षण चल रहा था, तभी दो अज्ञात मछुआरों ने नाव से आकर खिलाड़ियों पर प्राणघातक हमला कर दिया। हमले के दौरान खिलाड़ी प्रवीण, हरिनाथ, दीपक और शांतनु को निशाना बनाया गया। मछुआरों ने वॉटरपूल रोइंग बोर्ड को भी तोड़ दिया और खिलाड़ियों को गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी।

प्रशिक्षण में बाधा और डर का माहौल

कोचों ने बताया कि यह प्रशिक्षण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के ड्रीम प्रोजेक्ट के अंतर्गत चल रहा है, जिसकी देखरेख में जूनियर नेशनल प्रतियोगिता की तैयारी कराई जा रही है। हमले के बाद से खिलाड़ी पानी में उतरने से डरने लगे हैं, और महिला खिलाड़ियों पर भी टिप्पणी की जा रही है, जिससे माहौल तनावपूर्ण है।

कोचों की मांग

कोच विकास पाल और अशोक कुमार ने पुलिस से अनुरोध किया है कि हमले में क्षतिग्रस्त किए गए वॉटर बोर्ड और उपकरणों का नुकसान मुआवजे के रूप में दिलाया जाए। हमलावर मछुआरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

थाना प्रभारी नितिन रघुनाथ ने बताया कि तहरीर पर केस दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की पहचान कर जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

सीएम पर हमें पूरा भरोसा..

हटाएंगे तो बसाएंगे भी, आश्वासन के बाद बदला व्यापारियों का मिजाज

गोरखपुर,संवाददाता। कचहरी बस स्टैंड के पास पुस्तक विक्रेता रतन कुमार शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री के आश्वासन से हमें यह भरोसा हुआ है कि अब हमारे परिवार को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने हमारी बातों पर ध्यान दिया, इसके लिए मैं उन्हें कोटि–कोटि धन्यवाद देता हूं।

छात्रसंघ चौराहा से शास्त्री चौक तक बनने वाली स्मार्ट सड़क परियोजना के चलते कचहरी बस स्टैंड के पास नगर निगम की दुकानों को तोड़ने के पहले दुकानदारों को कहीं और जगह दी जाएगी। यहां के दुकानदार मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद संतुष्ट नजर आ रहे हैं। व्यापारियों ने उनके निर्णय पर पूरा विश्वास जताया।

कहा कि सीएम पर हमें पूरा भरोसा है, वह हटाएंगे तो बसाएंगे भी। हमारे साथ अन्याय नहीं होने देंगे।

कचहरी बस स्टैंड के पास पुस्तक विक्रेता रतन कुमार शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री के आश्वासन से हमें यह भरोसा हुआ है कि अब हमारे परिवार को किसी प्रकार की दिक्कत

नहीं होगी।

उन्होंने हमारी बातों पर ध्यान दिया, इसके लिए मैं उन्हें कोटि–कोटि धन्यवाद देता हूं।

दुकानदार मृत्युंजय गुप्ता ने कहा कि हमें मुख्यमंत्री पर पूरा भरोसा है, वे हमारे अभिभावक हैं और हमारे लिए जो भी करेंगे, बेहतर ही करेंगे।

वहीं रतन लाल गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि पहले नई दुकानें दी जाएंगी उसके बाद ही पुरानी दुकानें तोड़ी जाएंगी।

दुकानदार रंजन मिश्रा ने कहा मुख्यमंत्री ने जो कहा वह पत्थर की लकीर है। हमें महाराज जी पर पूरा भरोसा है कि हमारे साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होगा।

पंचायत सचिव ने किया ऐसा खेल, विधवा की पेंशन हुई बंद

डीएम के निर्देश पर हुआ निलंबित

बरेली,संवाददाता। बरेली में एक पंचायत सचिव ने ऐसा खेल किया, जिससे विधवा के होश उड़ गए। विधवा को मृत दर्शा दिया गया। विधवा पेंशन बंद होने पर महिला को जानकारी हुई। उन्होंने डीएम से पूरे मामले की शिकायत की। इस पर डीएम के निर्देश पर पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया। बरेली में विधवा विद्या देवी को मृत दर्शाकर उनकी पेंशन बंद करने के मामले में दोषी पंचायत सचिव सुमित गुप्ता को डीएम के निर्देश पर डीपीआरओ ने निलंबित कर दिया है। जांच में पाया गया कि सचिव ने पंचायत सहायक से सत्यापन कराया। परीक्षण तक नहीं किया था। पंचायत सहायक को भी दोषी माना गया है। डीएम अविनाश सिंह ने बताया कि भुता ब्लॉक के गांव अहिरोला निवासी विद्या देवी बृहस्पतिवार को कलक्ट्रेट आई थीं। उन्होंने महिला कल्याण विभाग के पेंशन पोर्टल पर खुद को मृत दर्शाकर पेंशन रोके जाने की शिकायत की थी। इससे पहले उन्होंने आईजीआरएस पर भी समस्या दर्ज कराई थी। इसकी जांच एडीएम सिटी सौरभ दुबे कर रहे थे।

'अंग्रेजी में गालियां देती है बहू... पीटती भी है', यूट्यूबर की विदेशी पत्नी पर सास के बड़े आरोप

मुरादाबाद,संवाददाता। मुरादाबाद में यूट्यूबर फैमिली का ड्रामा सामने आया है। यहां विदेशी बहू ने पुलिस में शिकायत की है, इस पर सास ने भी पुलिस के सामने गुहार लगाई है। साथ ही आरोप लगाया है कि बहू और बेटा उनके साथ मारपीट करते हैं।

वहीं, ईरान से आई फैजा ने सास और ननदों पर उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं और अब अपने देश लौटने की गुहार लगाई है। मुरादाबाद शहर के यूट्यूबर पंकज कुमार दिवाकर से प्रेम विवाह करने वाली ईरानी युवती फैजा सास और ननद के उत्पीड़न से तंग आकर अपने देश लौटेगी।

फैजा ने बृहस्पतिवार को पहले महिला थाने फिर एसपी सिटी कार्यालय में अपना दर्द बयां किया। उसने बताया कि सास ने पति के साथ के निजी वीडियो बना लिए हैं जिसके जरिए सास और ननद उसे ब्लैकमेल कर रहीं हैं। रुपये और तोहफे न देने पर वीडियो वायरल करने की धमकियां दे रही हैं। हालांकि फैजा ने पति पर कोई आरोप नहीं लगाया है।

2022 में फैजा और पंकज की इंस्टाग्राम पर हुई थी मुलाकात

सिविल लाइंस की इंद्रप्रस्थ कॉलोनी निवासी पंकज कुमार दिवाकर यूट्यूबर हैं और ट्रैवल ब्लॉगर हैं जबकि उनकी पत्नी फैजा उर्फ फाएजे अर्वांदी ईरान के हमदान सिटी की रहने वाली हैं। ईरान में सरकारी टीचर हैं। बताया जा रहा है कि 2022 में फैजा और पंकज की मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी।

फैजा ने हिंदू रिति रिवाज से पंकज से की शादी

इसके बाद दोनों की मुलाकात प्यार में बदल गई थी और फैजा के बुलाने पर पंकज ईरान गए। इसके बाद 2023 में फैजा उससे मिलने भारत आई थी। 2024 में फैजा लॉन्ग टर्म वीजा पर भारत आई और हिंदू रिति रिवाज से पंकज से शादी कर ली। इसके बाद दोनों ने कोर्ट मैरिज भी की थी।

फैजा पति पंकज के साथ महिला थाने पहुंचीं

बृहस्पतिवार को फैजा पति पंकज के साथ महिला थाने पहुंचीं और सास, तीन ननद व ननदोई पर गंभीर आरोप लगाए। महिला थाना प्रभारी फैजा, उसके पति और सास को लेकर एसपी सिटी कार्यालय पहुंच गईं।

यहां पीड़िता ने बताया कि सास ने उसके निजी वीडियो बना ली है।

फेजा ने अपने देश लौटने में मदद करने की गुहार लगाई

इन वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल किया जा रहा है। सास ताने देती है कि पिता के घर से दहेज में कुछ नहीं लाई है। रुपये व तोहफे न देने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी जा रही है जिससे वह तंग आ चुकी है। उसने अपने देश लौटने में मदद करने की गुहार लगाई है।

फैजा के साथ उसके पति पंकज ने ईरान जाने की इच्छा जताई

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने युवती को आश्वासन दिया है कि उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस की है। उनका उत्पीड़न नहीं किया जाएगा। अगर वह अपने घर जाना चाहती हैं तो उन्हें भेजने में भी मदद की जाएगी। फैजा के साथ उसके पति पंकज ने ईरान जाने की इच्छा जताई है। इसके लिए पंकज ने वीजा लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पति के पुराने मोबाइल को सास ने कहीं छिपा दिया

फेजा ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि उनके पति का पुराना फोटो सास के पास है जिसे उन्होंने कहीं छिपा दिया है। इस मोबाइल में ही पति और उनकी फोटो और वीडियो हैं। फैजा ने आशंका जताई है कि इस वीडियो को उन्हें और पंकज को बदनाम करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

आरोप है कि सास ने अपने व्हाटसएप स्टेटस पर भी उसके अश्लील वीडियो पोस्ट किए थे जिससे उसकी सामाजिक छवि धूमिल हुई है। फैजा ने अपनी सास पर यह भी आरोप लगाया है कि वह अपने भाइयों से उसे धमकी दिलवाती हैं।

जीएसटी पंजीकरण में तेजी का फरमान जालसाजों के लिए बना 'सोना'

लखनऊ,संवाददाता। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि व्यापारी को चौबीस घंटे में पंजीकरण देना अच्छा फैसला है, लेकिन ये चोरों के लिए नहीं है। जीएसटी पंजीकरण में तेजी लाने के सरकारी निर्देशों के बाद यह व्यवस्था जालसाजों के लिए सोना बनती जा रही है। शासन ने व्यापारियों को 24 घंटे के भीतर पंजीकरण देने के निर्देश दिए थे, लेकिन सत्यापन की खामियों और प्रक्रियागत पाइपलाइन में दरारों का फायदा उठाकर फर्जी फर्मों के नेटवर्क ने बड़े पैमाने पर आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का दुरुपयोग शुरू कर दिया। राज्य में हाल के सप्ताहों में कई सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। मुरादाबाद के एक मामले में दो मोबाइल नंबरों पर कुल 123 फर्जी फर्मों का पंजीकरण पाया गया और इन रजिस्ट्रेशन को रद्द करने की प्रक्रिया चल रही है। जांच में 350 करोड़ की कर चोरी का मामला उजागर हुआ। सहारनपुर में फर्जी फर्म बनाकर लगभग 1.21 करोड़ की जीएसटी चोरी का केस दर्ज किया गया।

केंद्रीय और राज्य जीएसटी अधिकारियों के आंकड़े बताते हैं कि यह समस्या स्थानीय नहीं राष्ट्रीय पैमाने पर है। 2024दृ25 में केंद्रीय व राज्य अधिकारियों ने 25,009 फर्जी फर्मों का पर्दाफाश किया, जिनके जरिये अनुमानित 61,545 करोड़ के आईटीसी क्लेम हुई। कई मामलों में आईटीसी ब्लॉक की गई और वसूली हुई जबकि आरोपितों पर कार्रवाई जारी है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, पोर्टल–आधारित प्रक्रियाओं में स्वचालन और त्वरित पंजीकरण सुविधाओं के कारण सत्यापन के बिना पंजीकरण जारी हो जा रहे हैं।

फर्जी आवेदन पोर्टल पर आ रहे

सीनीय व्यापारियों और विभागीय सूत्रों की शिकायत है कि रोजाना सैकड़ों–हजारों (स्थानीय रूप से 1,000 से अधिक) फर्जी आवेदन पोर्टल पर आ रहे हैं, जिन्हें रोकने के बाद भी कुछ समयावधि में स्वचालित सिस्टम पंजीकरण दे देता है। विभागीय प्रशिक्षण की कमी भी बड़ी समस्या है। करीब 60 फीसदी अधिकारियों को आवश्यक फील्ड–ट्रेनिंग नहीं मिली है, जिससे सत्यापन और फॉलो–अप कमजोर पड़ते हैं।

हालांकि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि व्यापारी को चौबीस घंटे में पंजीकरण देना अच्छा फैसला है। लेकिन, ये चोरों के लिए नहीं है। जालसाज ई–वे बिल जारी करने के लिए मोबाइल–ओटीपी व नंबर बदलने के हथकण्डे अपनाकर नकली लेनदेन कर रहे हैं और आईटीसी लेकर लापता हो जाता हैं।

इस पर रोक लगाने के लिए जरूरी है कि सत्यापन पूरा होने तक पंजीकरण पर अस्थायी सीमाएं लगाई जाएं और पोर्टल पर लगातार मॉनिटरिंग टीमें बैठकर संदिग्ध कामकाज को ब्लॉक करें। शासन ने इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए निर्देश जारी किए हैं। जिनमें पते पर फिजिकल सत्यापन को मजबूर करने की प्रक्रिया तेज करने की बात भी शामिल है और संदिग्ध रजिस्ट्रेशन की रद्दीकरण–प्रक्रियाएं त्वरित करने के आदेश दिये जा रहे हैं।

पकड़ी गई कालेधन की बड़ी खेप

वैशाली एक्सप्रेस में एक करोड़ रुपये के साथ पकड़ा गया माधव

गोरखपुर,संवाददाता। सूत्रों के अनुसार, जीआरपी यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई और किसके लिए भेजी जा रही थी। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि यह धनराशि हवाला के माध्यम से चुनावी प्रयोजन के लिए भेजी जा रही थी। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले गोरखपुर जीआरपी को एक बड़ी सफलता मिली है। गुरुवार देर रात गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर नियमित चेकिंग के दौरान वैशाली एक्सप्रेस से एक युवक को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से एक करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई। बताया जा रहा है कि युवक इन रुपयों को बिहार के मोकामा ले जाने की तैयारी में था। चुनावों के मद्देनजर रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। इसी क्रम में जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम वैशाली एक्सप्रेस में जांच कर रही थी। जब टीम एसी कोच के पास पहुंची, तो एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। शक के आधार पर जब उसके बैग की तलाशी ली गई, तो उसमें नोटों के कई बंडल बरामद हुए। गिनती में रकम करीब एक करोड़ रुपये निकली। पूछताछ में युवक ने अपना नाम मुकुंद माधव, निवासी मोकामा, जिला पटना (बिहार) बताया। उसने कहा कि वह किसी परिचित के कहने पर यह नकदी लेकर यात्रा कर रहा था, लेकिन रकम के स्रोत और गंतव्य के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। अधिकारियों को शक है कि यह धनराशि हवाला कारोबार से जुड़ी हो सकती है और इसे चुनावी खर्च के लिए भेजा जा रहा था।

रेलवे क्षेत्राधिकारी (सीओ) विनोद कुमार सिंह ने बताया कि चेकिंग के दौरान मोकामा निवासी मुकुंद माधव को एक करोड़ रुपये नकद के साथ पकड़ा गया है। वह रकम के स्रोत के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं दे सका। बरामद नकदी को सीज कर दिया गया है और आयकर विभाग को सूचना दे दी गई है।

रकम भेजने वाले का पता लगाने में जुटी आयकर की टीम

सूत्रों के अनुसार, जीआरपी यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई और किसके लिए भेजी जा रही थी। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि यह धनराशि हवाला के माध्यम से चुनावी प्रयोजन के लिए भेजी जा रही थी।

आयकर विभाग और खुफिया एजेंसियों को इस मामले की विस्तृत जांच के लिए शामिल किया गया है। गोरखपुर जीआरपी की यह कार्रवाई चुनावों के दौरान काले धन के प्रवाह पर रोक लगाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। फिलहाल युवक से पूछताछ जारी है और उसके मोबाइल व संपर्क सूत्रों की भी बारीकी से जांच की जा रही है।

एक्सीडेंट हुआ है, जिन्दा हो या निपट गए

3 लड़कियों को तो मार दिया तुमने, सड़क पर खून के छींटे और जूते-चप्पल

कानपुर,संवाददाता। गंगा बैराज हादसे में मारी गई छात्रा के परिजनों ने स्टंटबाज की बाइक पर लिखी आईडी से यह क्रूर पोस्ट पकड़ी कि लड़कियों को तो मार दिया तुमने, जिसके आधार पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। वहीं, परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने आरोपी के पीजीआई में भर्ती होने की जानकारी देने के बावजूद कोई सहयोग नहीं किया। कानपुर में गंगाबैराज घूमने जाने के लिए परिजनों ने छात्रा भाविका गुप्ता को मना किया था, लेकिन वह सहेली नेहा के साथ जल्दी ही घूमकर आने की बात बोलकर निकल गई। इसके बाद स्टंटबाजों की लापरवाही का शिकार हो गई। परिजनों ने जब स्टंटबाज ब्रजेश निषाद की बाइक पर लिखी इंस्टाग्राम आईडी को सर्च किया, तो उसमें बैराज पर हुए हादसे से संबंधित एक पोस्ट मिली।

पोस्ट में लिखा था कि एक्सीडेंट हुआ है गंगाबैराज पर, जिंदा हो या निपट गए३लड़कियों को तो मार दिया तुमने। इस पोस्ट पर एक ने रिप्लाई दिया कि यही बृजेश निषाद ने उड़ाया है, अपनी बाइक से३। इसी तरह कई अन्य लोगों के कमेंट भी मिले। परिजनों ने इस पोस्ट और बाइक पर लिखी इंस्टाग्राम आईडी के आधार पर ही बृजेश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

यूपी में छह की मौतः शवों के हो गए थे कई टुकड़े...

किसी भी न थे पूरे अंग, ट्रेन में भी फंसे चिथड़े

यूपी के मिर्जापुर में ट्रेन की चपेट में आने से दो सगी बहनों समेत छह महिलाओं की मौत हो गई। महिलाएं कार्तिक पूर्णिमा पर परिवार के साथ गंगा स्नान करने जा रही थी। चुनार रेलवे स्टेशन पर हादसे का शिकार हो गईं। शवों के चिथड़े बिखर गए थे

मिर्जापुर,संवाददाता। यूपी के मिर्जापुर के चुनार रेलवे स्टेशन पर बुधवार की सुबह सवा नौ बजे रेलवे ट्रैक पार करते समय नेताजी एक्सप्रेस (कालका मेल) की चपेट में आने से दो सगी बहनों समेत छह महिलाओं की मौत हो गई। महिलाएं कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने जा रही थीं। चोपन–प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन से उतरकर प्लेटफॉर्म नंबर तीन की तरफ रेलवे ट्रैक पार कर रही थीं। इसी बीच ट्रेन आ गई। मरने वाली एक महिला की पहचान नहीं हो सकी। एक सोनभद्र तो चार मिर्जापुर की रहने वाली थीं। हादसे की सूचना पाकर यूपी सरकार के राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल और डीएम पवन गंगवार मौके पर पहुंचे।

राज्यमंत्री ने कहा कि हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। साथ ही सरकार की तरफ से पीड़ित परिजनों को दो–दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता का एलान किया गया है।

सभी लोग चोपन प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन से उतरे

राजगढ़ थाना इलाके के खम्हरिया निवासी दो सगी बहनें शिव कुमारी (17) और साधना (12) अपनी चाची सविता (30) के साथ बुधवार की सुबह कार्तिक पूर्णिमा का स्नान करने के लिए निकली थीं। साथ में सविता की पड़ोसी अंजू (20) भी थीं। परिजनों के मुताबिक, सब चोपन प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन में सवार हुईं।

चुनार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर चार रूकी थी ट्रेन

इसी ट्रेन में सोनभद्र के कर्मा थाना क्षेत्र के बसवा गांव की कलावती (57) भी थीं। ट्रेन में आसपास के क्षेत्रों से करीब 500 लोग सवार थे। ट्रेन सुबह सवा नौ बजे चुनार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर चार पर खड़ी हुई। यहां ट्रेन से करीब 100 यात्री उतरे।

कुछ यात्रियों ने अलग–अलग प्लेटफॉर्म नंबर पर चढ़कर बचाई जान

कुछ यात्री प्लेटफॉर्म की तरफ नहीं गए और रेलवे ट्रैक की तरफ उतर गए। रेलवे ट्रैक के सहारे ही यात्री तीन नंबर प्लेटफॉर्म की तरफ जाने का प्रयास करने लगे। इसी बीच कालका मेल (ट्रेन संख्या 12311) आ गई। इससे अफरा–तफरी मच गई और यात्री इधर–उधर भागने लगे लेकिन दो किशोरी सहित छह महिलाएं ट्रेन की चपेट में आ गईं। कुछ यात्रियों ने अलग–अलग प्लेटफॉर्म नंबर पर चढ़कर जान बचाई।

हादसे में दो सगी बहनों और चार महिलाओं के शरीर के चिथड़े उड़ गए। इसकी सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ के जवान पहुंचे और रेलवे कर्मचारियों की मदद से राहत–बचाव कार्य शुरू किया। डीएम की मौजूदगी में शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी भी हुई। बाद में शव परिजनों को सौंपे गए।

शवों को मालवाहक से भेजने पर नाराजगी

हादसे में मरने वाली महिलाओं और सगी बहनों के शवों को मालवाहक से पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। किसी ने इसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। इस पर लोगों ने नाराजगी जताई और लिखा कि शवों को एंबुलेंस से भेजा जाना चाहिए था। शव वाहनों को बुलाया जा सकता था।

छठवें शव की पहचान ही नहीं

मिर्जापुर हादसे के बाद छह लोगों की मौत की जानकारी हुई। इसमें छठवां शव सुशीला का बताया गया, पर उसके जिंदा होने पर अधिकारी शवों की शिनाख्त करने में जुट गए। एएसपी सिटी नितेश सिंह पोस्टमार्टम हाउस पर डटे रहे। शव क्षत–विक्षत हो गए थे। डॉक्टर और पोस्टमार्टम स्टाफ ने परिजनों को बुलाकर शवों की पहचान कराई। पांच शवों की तो पहचान हो गई पर एक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। उसका कुछ हिस्सा ही मिला। 40 वर्षीय महिला का शव होने की आशंका है।

शवों के हो गए थे कई टुकड़े

हादसे के बाद शव क्षत–विक्षत हो गए थे। शव कई टुकड़ों में बंट गए थे। किसी भी शव के पूरे अंग नहीं थे। परिजनों ने कपड़े से पहचान की। शव के कुछ हिस्से ट्रेन में फंस गए थे। पोस्टमार्टम हाउस पर भी शवों को पहचानने में मुश्किलें आ रही थीं।

तीन नातिन को बचाया पर खुद हो गई हादसे की शिकार

मिर्जापुर के चुनार रेलवे स्टेशन पर हादसे की शिकार कलावती ने अपनी तीन पौत्रियों को बचा लिया पर खुद प्लेटफॉर्म पर नहीं चढ़ सकीं। वह हादसे की शिकार हो गईं। सोनभद्र के कर्मा थाना इलाके के बसवा गांव निवासी कलावती (57) पत्नी जर्नादन यादव अपने पुत्र रामबाबू की तीन पुत्रियों चांदनी (12), नैना (10), शिखा (8) के साथ सुबह सात बजकर 20 मिनट पर खैराही स्टेशन पर चोपन–प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन से चुनार गंगा घाट स्नान करने गई थी। हादसे के समय कलावती अपनी तीनों पौत्रियों के साथ रेलवे लाइन पर उतरीं तो ट्रेन आने पर लोगों ने शोर मचाया। कलावती ने सबसे पहले तीनों पौत्रियों को प्लेटफॉर्म पर चढ़ाया पर खुद नहीं चढ़ सकीं। वह ट्रेन की चपेट में आ गई। चांदनी ने फोन कर घर पर सूचना दी।

पोस्टमार्टम हाउस पर लगाई गई थी फोर्स

घटना के बाद दोपहर में शव पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। इसके बाद परिजनों और रिश्तेदारों का आना शुरू हो गया। घटना के बाद किसी प्रकार का विवाद न हो, इसके लिए शहर, कटरा, राजगढ़ और आसपास क्षेत्र की पुलिस को तैनात किया गया था।

एक बोगी से उतरे थे सौ श्रद्धालु

चोपन–प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन से उतरने वाले महिला, पुरुष, बच्चों की संख्या 500 के आसपास रही होगी। इसमें लगभग 100 महिला, पुरुष, बच्चे एक बोगी से उतरे थे। ट्रेन सोनभद्र के चोपन से आती है। जो चोपन से चुर्क, राबर्ट्सगंज, खैराही, ककराही, लूसा, सक्तेशगढ़ से चुनार जंक्शन पहुंचती है। फिर वहां से प्रयागराज के लिए रवाना होती है। स्टेशन अधीक्षक मेजर सिन्हा ने बताया कि सोनभद्र की ओर से आने वाली ट्रेनों का ठहराव प्लेटफॉर्म नंबर चार पर ही होता है, आज भी चार नंबर पर ही ट्रेन रुकी थी।

स्टेशन के कायाकल्प में दूर हो गया एफओबी, रेलवे लाइन पार करते हैं लोग

अमृत भारत योजना से स्टेशन का कायाकल्प होने के बाद स्टेशन के नए भवन से टिकट लेने के बाद प्लेटफॉर्म नंबर दो, तीन, चार और पांच तक पहुंचने के लिए लगभग पांच सौ मीटर लंबे फुट ओवरब्रिज से गुजरना पड़ता है।

इसके बाद प्लेटफॉर्म पर करीब तीन सौ मीटर पैदल चलना पड़ता है। इससे बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों को परेशानी होती है। पहले प्लेटफॉर्म नंबर एक पर बना फुट ओवरब्रिज सीधे अन्य प्लेटफॉर्मों को जोड़ता था। बीच में होने के कारण आवागमन आसान था, लेकिन नए भवन का निर्माण होने के चलते उस पुल को हटा दिया गया। जंक्शन के दक्षिणी छोर की ओर फुटओवर ब्रिज बनाया गया है। ज्यादातर यात्री रेलवे लाइन पार करके प्लेटफॉर्म तक पहुंचते हैं। इससे हादसे की आशंका बनी रहती है।

शिक्षक भर्ती के लिए गुपचुप साक्षात्कार, झटपट जाइनिंग परिणाम घोषित नहीं सिर्फ चयनित अभ्यर्थियों को बताया

लखनऊ,संवाददाता। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया सवालों के घेरे में हैं। प्रक्रिया को इस तरह से अंजाम दिया गया कि इंटरव्यू से लेकर परिणाम तक सब छिपाया गया। राजधानी लखनऊ में कानून का पाठ पढ़ाने वाले डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में हाल ही में हुई शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया सवालों के घेरे में है। साक्षात्कार से लेकर परिणाम तक, सबकुछ गोपनीय रखा गया। साक्षात्कार के परिणाम भी वेबसाइट पर अपलोड करने के बजाय सिर्फ चयनित अभ्यर्थियों के ईमेल पर भेजे गए। गुपचुप हुई इस भर्ती में किसी भी स्तर पर पारदर्शिता नहीं दिखाई गई। विश्वविद्यालय में बीते 17 सितंबर को एसोसिएट प्रोफेसर और 18 व 19 सितंबर को असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों के लिए साक्षात्कार हुए। रिक्त पदों के सापेक्ष कुल 17 लोगों की भर्ती की गई। इसमें तीन असिस्टेंट प्रोफेसरों का चयन कॅरिअर उन्नयन योजना (कैश) के तहत हुआ। इसके तुरंत बाद आननफानन 20 सितंबर को कार्यपरिषद की बैठक बुलाई गई।

बैठक में चयन के लिफाफे खोले गए और उसी रात प्रमोशन पाने वालों की जॉइनिंग भी करा दी गई। अब इस भर्ती प्रक्रिया पर विश्वविद्यालय में ही सवाल उठने लगे हैं। इस संबंध में जब कुलपति से बात करने का प्रयास हुआ तो उन्होंने प्रवक्ता से बात करने की सलाह दी। जब प्रवक्ता से बात की गई तो उन्होंने बहुत से सवालों के जवाब नहीं दिए।

सूची व मिनट्स भी अपलोड नहीं

नियमानुसार आवेदन के बाद साक्षात्कार के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड की जानी चाहिए थी। सूत्र बताते हैं कि ऐसा नहीं किया गया। साक्षात्कार की तिथियां भी सार्वजनिक नहीं की गईं। अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत रूप से सूचित किया गया। साक्षात्कार के बाद चयनित हुए अभ्यर्थियों की अंतिम सूची और कार्यपरिषद के मीटिंग मिनट्स भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट अपलोड नहीं किए गए। यहां तक कि कार्यपरिषद की बैठक भी अचानक गुपचुप तरीके से हुई।

जिन पर मुकदमा, उनकी भी हो गई भर्ती

सूत्रों ने ये भी खुलासा किया है कि जिन शिक्षकों की भर्ती हुई है, उनमें तीन नाम ऐसे हैं जिन पर पहले से एफआईआर दर्ज है। जल्दबाजी इतनी थी कि विश्वविद्यालय ने चयनित अभ्यर्थियों की जॉइनिंग से पहले उनका पुलिस वेरीफिकेशन कराना भी मुनासिब नहीं समझा। ये बताई गई वजहः एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि भर्ती में पारदर्शिता न होने के पीछे वजह ये थी।

चौथे ओवर की चौथी गेंद... जिंदगी की पिच से आउट हुआ युवक

झांसी। झांसी में क्रिकेट खेलते हुए एक युवक को तेज घबराहट हुई। देखते ही देखते वो लड़खड़ा कर गिर गया। साथी युवकों ने उसे मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। झांसी के जीआईसी ग्राउंड में बुधवार सुबह करीब नौ बजे क्रिकेट मैच में चौथे ओवर की चौथी गेंद फेंकते समय युवक को तेज घबराहट हुई। जब तक वह कुछ बोल पाता, लड़खड़ा कर गिर पड़ा। साथी युवकों ने उसे मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सक इसे हार्ट अटैक मान रहे हैं। फिर भी इसकी पुष्टि के लिए पोस्टमार्टम कराने के बाद मृतक का दिल फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के नालबंद डेरी निवासी स्वामी प्रसाद अहिरवार के करीब 30 वर्षीय बेटे रविंद्र कुमार अहिरवार एलआईसी में विकास अधिकारी थे।

आवारा पशुओं को सड़कों–हाईवे से हटाए

सुप्रीम कोर्ट का राज्यों–NHAI और निकायों को निर्देश

नई दिल्ली,एजेंसी। शीर्ष अदालत ने आवारा कुत्तों के मुद्दे पर भी आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, बस और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाया जाए और उन्हें शेल्टर होम में जगह दी जाए। साथ ही उन्हें टीकाकरण के बाद भी उसी इलाके में न छोड़े जाने के निर्देश दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई करते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अहम निर्देश जारी किया है।

कोर्ट ने कहा है कि सभी आवारा पशुओं को सड़कों, राज्य के हाईवे और राष्ट्रीय राजमार्गों से हटाया जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे लेकर राज्यों के साथ–साथ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और

नगरपालिकाओं को भी निर्देश जारी किया है।

इतना ही नहीं कोर्ट ने निर्देश दिया है कि आवारा पशुओं को हटाने के लिए हाईवे निगरानी टीमें बनाई जाएं जो उन्हें पकड़ कर सड़कों से हटाएगी और शेल्टर होम्स में रखेगी।शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में आगे आवारा कुत्तों के मुद्दे पर भी आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, बस और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाया जाए और उन्हें शेल्टर होम में जगह दी जाए। साथ ही उन्हें टीकाकरण के बाद भी उसी इलाके में न छोड़े जाने के निर्देश दिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों– जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने सुनवाई के दौरान कुत्तों के काटने के मामलों में चौंकाने वाली बढ़ोतरी की बात कही और आदेश दिया कि अधिकारी आवारा कुत्तों को पकड़ने के बाद उन्हें शेल्टर में टीके दिए जाएं।

इसके बाद उन्हें पुरानी जगहों पर न छोड़ा जाए। इसके अलावा सार्वजनिक जगहों पर आवारा कुत्तों के दोबारा न घुसने देने के इंतजाम भी तय हों।

मुलाकात

अखिलेश से मिलने लखनऊ आए आजम

सपा नेता आजम खां ने जेल से निकलने के 44 दिन बाद लखनऊ आकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। अखिलेश से उनकी किन मुद्दों पर चर्चा हुई। इसकी जानकारी उन्होंने खुद मीडिया को दी।

लखनऊ,संवाददाता। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से लखनऊ में मुलाकात की। मुलाकात के बाद आजम खां ने खुद बताया कि अखिलेश यादव से उनकी किन मुद्दों पर बात हुई। आजम खां 23 महीने बाद 23 सितंबर को सीतापुर जेल से रिहा हुए थे। इसके बाद अखिलेश यादव ने रामपुर जाकर बंद कमरे में आजम से मुलाकात की थी। दो घंटे तक चली इस मुलाकात के बाद आजम खां ने तब कुछ भी नहीं कहा था। अब जेल से निकलने के 44 दिन बाद उन्होंने लखनऊ में अखिलेश यादव से मुलाकात की।

मृत से लेकर इन महिलाओं के नाम भी मतदाता सूची में घर नंबर 150 में 66 वोटर, रहता कोई नहीं

दिल्ली,एजेंसी। सोनीपत की राई विधानसभा की वोटर लिस्ट में मृत महिला से लेकर शादी कर चुकी महिला के नाम भी मतदाता सूची में शामिल है। मतदाताओं ने गलत फोटो और नाम की गड़बड़ियां भी बताईं हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हरियाणा विधानसभा चुनाव में वोट चोरी के आरोप के बाद राई विधानसभा सीट चर्चा में है। पड़ताल में मतदाता सूची में कई गड़बड़ियां सामने आई हैं। मृत महिला से लेकर वर्षों पहले शादी कर चुकी महिलाओं के नाम भी अब तक सूची से नहीं कटे हैं। कई ऐसे मतदाता भी हैं जो नाम कटने के कारण विधानसभा चुनाव में वोट नहीं डाल सके। राहुल गांधी ने बुधवार को जिन 22 वोटों का जिक्र किया उनमें से 15 मतदाताओं के पहचान पत्रों में फोटो सही मिला है। हां, वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां हैं। मुरथल की जिस मतदाता गुनिया का नाम सूची में है उस पर ब्राजील मॉडल का फोटो लगा है। हालांकि, गुनिया का करीब चार साल पहले निधन हो चुका है। इसी तरह अकबरपुर बारोटा की सरोज का नाम भी मतदाता सूची में है। सरोज का करीब 20 साल पहले भिवानी जिले में विवाह हो चुका है। सरोज वहीं मतदान करती हैं।

सास बोली– हमें नहीं पता बहू का लिस्ट में नाम है

मुरथल गांव की मुन्नी ने बताया कि उनके बेटे विनोद की पत्नी गुनिया का 1 मार्च 2022 को निधन हो चुका है। बहू का नाम मतदाता सूची में है यह उन्हें आज ही पता चला है।

दो माह पहले कांग्रेसियों ने बनाया था वीडियो, राहुल ने दिखाया

मलिकपुर गांव की अंजली त्यागी ने बताया कि लोकसभा चुनाव में उन्होंने वोट डाला था लेकिन विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची में उनका नाम नहीं था। चुनाव के कुछ समय बाद नया मतदाता कार्ड जारी हो गया। करीब दो माह पहले कांग्रेस के कुछ लोगों ने आकर वोट कटने की बात बताकर उनका वीडियो बनाया। बाद में पता चला राहुल गांधी की तरफ से जारी सूची में उनका फोटो है।

सरोज की 24 साल पहले हुई थी शादी

बारोटा गांव की रानी ने बताया कि उनकी बहन सरोज की साल 2001 में भिवानी जिले में शादी हुई थी। तब से वह वहीं रह रही हैं। उनका परिवार भिवानी में ही वोट डालता है। हमें नहीं पता है कि मतदाता सूची में उनका नाम है।

पड़ताल में पता चला कि कुछ मतदाताओं के नाम और पते आपस में बदल गए हैं जबकि फोटो सही हैं। मलिकपुर की अंजलि, अकबरपुर बारोटा की सरोज व बिमला और खेड़ी मनाजात की स्वीटी के मामलों में पहचान पत्रों में तो फोटो सही है लेकिन सूची में फोटो गलत है।

कटघरे में पार्थ पवार

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र का जमीन सौदा लगातार विवादों में है। पुणे की इस विवादित लैंड डील मामले में राज्य के विपक्षी राजनीतिक दल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सरकार में डिप्टी सीएम की कुर्सी संभाल रहे अजीत पवार का इस्तीफा मांगा है। उपमुख्यमंत्री के बेटे पार्थ पर गंभीर आरोप लगे हैं। पुणे की विवादित लैंड डील मामले में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार कटघरे में हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार पार्थ को बचाने के प्रयास कर रही है। इस मामले में कांग्रेस नेता विजय वाडेट्टीवार ने कहा, 'उनका इस्तीफा स्वाभाविक है, क्योंकि उस बच्चे ने 300 करोड़ रुपये की ज़मीन खरीदी है। धोखाधड़ी हुई है... महाराष्ट्र की जनता यह स्वीकार नहीं करेगी कि उन्हें जानकारी नहीं थी। सभी की मांग है कि कार्रवाई हो... मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को इस मामले की जांच के लिए पत्र लिखना चाहिए... हाईकोर्ट के जज की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाकर निष्पक्ष जांच करानी चाहिए... पार्थ पवार को भी आरोपी माना जाना चाहिए। इससे पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता सुषमा अंधारे ने भी शुक्रवार को महाराष्ट्र के राजस्व विभाग और पुलिस विभाग से तीखे सवाल पूछे। सरकारी मिलीभगत और अफसरों की ईमानदारी पर गंभीर सवालिया निशान लगाते हुए अंधारे ने कहा, सभी मिलकर पार्थ को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। सुषमा से पहले शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा था कि सरकारी समिति की जांच से 'कुछ भी ठोस नहीं निकलेगा। सरकार अंत में इस सौदे में शामिल सभी लोगों को 'क्लीन चिट' दे देगी।

पुणे जमीन सौदे की जांच करा रही सरकार, रिपोर्ट का इंतज़ार करें: राजस्व मंत्री बावनकुले

इस मामले में महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने शुक्रवार को कहा, राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) विकास खड़गे की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन करके पहले ही त्वरित कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि अजीत पवार के बेटे पार्थ से जुड़ी एक कंपनी से जुड़े 300 करोड़ रुपये की इस लैंड डील पर जांच रिपोर्ट आने का इंतजार करें। एक महीने इंतजार करने की बात कहते हुए बावनकुले ने कहा, समिति एक महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। रिपोर्ट के आधार पर इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आरोप–प्रत्यारोप के बजाय रिपोर्ट का इंतजार करना बेहतर है।

चण्डीगढ़–हरियाणा,एजेंसी। डीजीपी मुस्तफा के बेटे अकील अख्तर की मौत की जांच अब सीबीआई करेगी। केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। हरियाणा सरकार ने सीबीआई जांच के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा था। पुलिस आज केस से जुड़े सभी दस्तावेज सीबीआई को सौंपेगी। केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद सीबीआई ने अकील अख्तर हत्या मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। यह मामला पूर्व पंजाब डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा, उनकी पत्नी पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री रज़िया सुल्ताना, अकील की पत्नी और बहन के खिलाफ दर्ज किया गया है।

16 अक्तूबर की रात अकील अख्तर एमडीसी सेक्टर–4 स्थित घर में बेसुध हालत में मिले थे। उन्हें सेक्टर–6 सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। 17 अक्तूबर को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। हालांकि विसरा रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। इस कारण मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है।

पंचकूला पुलिस ने शमशुद्दीन चौधरी की शिकायत और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर पूर्व डीजीपी, उनकी पत्नी, बेटी और पुत्रवधू के खिलाफ केस दर्ज किया था। मामले की जांच के लिए एसीपी विक्रम नेहरा की अध्यक्षता में एसआईटी गठित की गई थी ।

आकृति नेगी जलवा

एंटरटेनमेंट डेस्क। टीवी शो राइज एंड फॉल में आकृति नेगी और पवन सिंह के बॉन्ड ने काफी सुर्खियां बटोरी. शो खत्म होने के बाद हाल ही में आकृति नेगी ने पवन सिंह के साथ बने लव एंगल को लेकर बात की है.

आकृति नेगी इस दिनों खूब चर्चा में हैं. शो राइस एंड फॉल में भोजपुरी स्टार पवन सिंह के साथ बने उनके लव एंगल ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं. इसी बीच हाल में शो खत्म होने के बाद आकृति ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि पवन सिंह मेरे भैया है. आकृति नेगी एक जानी मानी सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर हैं. वो इंस्टाग्राम पर अपने डांस वीडियो और रील के लिए जानी जाती हैं. आकृति ने मॉडलिंग और रियलिटी शोज जैसे 'रोडीज' और 'स्प्लिट्सविला' में पार्टिसिपेट करके अपनी पहचान बनाई हैं, और 'स्प्लिट्सविला 15' की विनर भी रह चुकी हैं.

इसके अलावा आकृति शो राइज एंड फॉल में भी नजर आई हैं, जहां वो रनर अप रहीं. बता दें कि, शो में आकृति और पावर स्टार पवन सिंह का बॉन्ड काफी चर्चा में रहा. पवन ने शो में आकृति को फिल्म भी ऑफर की थी. हाल ही में शो खत्म होने के बाद आकृति ने पर्दे के पीछे का सच बताया. बॉलीवुड बबल से बातचीत में उन्होंने बताया कि, उन्हें इस बात का बहुत बुरा लगा कि पवन संग उनका लव एंगल दिखाया गया. आकृति ने कहा मेरे लिए पवन जी भैया हैं. उन्होनें मेरा एंगल ऐसे दिखाया कि जैसे कोई लव स्टोरी हो, जबकि ऐसा कुछ था भी नहीं. मैने पहले दिन से ही उन्हें भैया बोला था. लेकिन मेकर्स ने भैया वाला पार्ट कट कर दिया और लव एंगल दिखा दिया.

मैं वही सोच रही थी कि मुझे ऐसी स्क्रिप्ट क्यों मिल रही हैं फिनाले पर कि, आप मुझसे शादी करेंगी. मेरे लिए वो शॉकिंग था. आकृति ने बताया कि फिनाले पर हमने एक स्किट किया था. जहां धनश्री और मुझे कहा गया था हमें पवन जी से कहना होगा, मुझे आपसे शादी करनी है. इसकी स्क्रिप्ट दी थी. इसके बाद आकृति ने पवन के फिल्म ऑफर करने पर भी बात की और कहा कि, वो भी मेरे लिए शॉकिंग था कि पहले ही दिन ऐसे कौन कहता है. उन्होनें कहा, मैंने उनके गाने सुने हैं लेकिन फिल्में नहीं देखी हैं. फिनाले के दिन बातचीत में पता चला कि वो सीरियस हैं. वो मुझे फिल्म में हीरोइन लेंगे और उसके हीरो वो खुद होंगे.

टीवी शो राइज एंड फाल में आकृति नेगी और पवन सिंह के बान्ड ने काफी सुर्खियां बटोरी.

उसने मेरा मुंह पकड़ा और... मौनी रॉय खौफनाक किस्सा

"मैं 21–22 साल का था, और मैं किसी के ऑफिस गई थी जहां लोग ऑफिस के अंदर थे और नरेशन दी जा रही थी. अचानक, एक सीन आया जहां लड़की स्विमिंग पूल में गिर जाती है, बेहोश हो जाती है, और हीरो उसे बाहर निकालता है और उसके मुंह से मुंह में साँस देता है, और उसे होश आ जाता है."

एंटरटेनमेंट डेस्क। उसने मेरा मुंह पकड़ा और...', जब 21 साल की उम्र में मौनी रॉय के साथ हुई थी ओछी हरकत, एक्ट्रेस ने सुनाया खौफनाक किस्सा मौनी रॉय ने टेलीविज़न स्टारडम से लेकर सिल्वर स्क्रीन और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म तक एक शानदरा सफ़र तय किया है, हालांकि, किसी अभिनेत्री के लिए स्टारडम तक का सफ़र कभी आसान होता है. मौनी रॉय हाल ही में अपूर्व मुखीजा के शो में आईं और उन्होंने बताया कि कैसे, जब वह सिर्फ़ 21 साल की थीं, तो एक शख्स ने उनके साथ नरेशन सुनाने के दौरान ओछी हरकती थी और इस कारण वह लंबे समय तक सदमे में रही थीं.

मौनी राय के साथ 21 साल की उम्र में हुई थी ओछी हरकत

दरअसल मौनी से पूछा गया था कि क्या उन्हें अपने एक्टिंग जर्नी के दौरान कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा था. इस पर मौनी ने कहा, "कास्टिंग काउच तो नहीं हुआ, लेकिन बदतमीज़ी हुई थी." मौनी रॉय ने बताया था, "मैं 21–22 साल का था, और मैं किसी के ऑफिस गई थी जहां लोग ऑफिस के अंदर थे और नरेशन दी जा रही थी. अचानक, एक सीन आया जहां लड़की स्विमिंग पूल में गिर जाती है, बेहोश हो जाती है, और हीरो उसे बाहर निकालता है और उसके मुंह से मुंह में साँस देता है, और उसे होश आ जाता है." मौनी रॉय ने आगे कहा, "उस आदमी ने सचमुच मेरा चेहरा पकड़ा और मुझे माउथ टू माउथ सांस लेते हुए दिखाया. उस एक पल को मुझे समझ नहीं आया कि मेरे साथ क्या हुआ मैं कांपने लगी और मैं नीचे भागी. सच में, मैं काफी देर तक डरी रही."

बाडी शेमिंग पर भड़की गौरी किशन

एंटरटेनमेंट डेस्क। तमिल अभिनेत्री गौरी जी किशन के साथ हुई बॉडी शेमिंग की घटना पर अब इंडस्ट्री की ओर से उन्हें काफी समर्थन मिल रहा है। क्या है पूरा मामला, चलिए जानते हैं। तमिल फिल्म 'अदर्स' के प्रमोशनल इवेंट के दौरान अभिनेत्री गौरी किशन के साथ हुई घटना ने साउथ इंडस्ट्री में पत्रकारिता के स्तर और महिला कलाकारों के सम्मान पर बड़ी बहस छेड़ दी है। कार्यक्रम में एक पत्रकार ने गौरी के को–स्टार आदित्य माधवन से उनके वजन को लेकर सवाल किया, जिस पर अभिनेत्री ने वहीं सबके सामने सख्त प्रतिक्रिया दी। गौरी के इस रिएक्शन के बाद अब उन्हें इंडस्ट्री की ओर से सपोर्ट भी मिल रहा है। क्या है पूरा मामला, चलिए जानते हैं।

'मेरे वजन से आपको क्या मतलब?'

दरअसल फिल्म की प्रेस मीट के दौरान जब एक पत्रकार ने आदित्य से पूछा कि उन्होंने फिल्म के एक सीन में गौरी को उठाते वक्त कितनी दिक्कत हुई, तो गौरी किशन ने तुरंत बीच में टोकते हुए कहा– 'आपको मेरे वजन से क्या मतलब? यह सवाल मेरी एक्टिंग या फिल्म से जुड़ा नहीं है।' उनकी इस प्रतिक्रिया ने वहां मौजूद सभी को चौंका दिया। गौरी ने बताया कि उस वक्त वहां ज्यादातर पुरुष पत्रकार मौजूद थे और जब उन्होंने सवाल उठाया तो उन्हें चुप रहने की सलाह दी गई।

घटना पर क्या बोलीं गौरी?

उन्होंने इस इंसीडेंट के बारे में बात करते हुए बाद में कहा– 'मैं वहां अकेली महिला थी। मुझे चुप कराने की कोशिश की गई, जबकि सवाल मेरे सम्मान पर था। हर महिला का शरीर अलग होता है, लेकिन किसी की कद–काठी उसके टैलेंट को परिभाषित नहीं करती।'

12 मिनट तक चली बहस

प्रेस मीट के दौरान हुई ये घटना यहीं खत्म नहीं हुई। जब पत्रकार ने सफाई दी कि यह तो हल्का–फुल्का मजाक था, तो गौरी ने पलटकर कहा– 'मुझे यह मजाक नहीं लगा। बॉडी शेमिंग को सामान्य बनाना बंद कीजिए।' गौरी ने यह भी बताया कि उन्हें 12–13 मिनट तक लगातार सवालों और बहस का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'किसी ने मुझसे मेरे किरदार या तैयारी के बारे में नहीं पूछा, सबको बस मेरे वजन से मतलब था।' इतना ही नहीं उन्होंने पत्रकार से सीधा सवाल किया– 'क्या आप किसी पुरुष अभिनेता से भी ऐसा सवाल पूछेंगे?'

इंडस्ट्री से मिला समर्थन

इस घटना के बाद तमिल फिल्म जगत के कई बड़े नाम गौरी के समर्थन में सामने आए। निर्देशक पा. रंजीत ने एक्स पर लिखा– 'यह शर्मनाक है कि महिला कलाकारों को आज भी ऐसे अपमानजनक सवालों का सामना करना पड़ता है। गौरी, तुम्हें सलाम।' अभिनेत्री और राजनेता खुशबू सुंदर ने भी पत्रकारिता के गिरते स्तर पर नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा– 'किसी महिला का वजन उसका निजी मामला है। पत्रकारों को यह समझना चाहिए कि सम्मान एकतरफा नहीं होता। अगर महिलाएं उनके परिवार की महिलाओं से ऐसा सवाल पूछें तो क्या उन्हें अच्छा लगेगा?' वहीं फिल्म 'अदर्स' में गौरी के को–स्टार अभिनेता काविन ने कहा, 'अंदर और बाहर से, तुम खूबसूरत और प्रेरणादायक हो गौरी। हमेशा ऐसे ही रहो।'?

क्या ये वही रणतुंगा हैं

जयसूर्या और मुरलीधरन संग फोटो में उन्हें पहचान नहीं पाए फैंस, वजन घटाकर सबको चौंकाया

स्पोर्ट्स डेस्क। समारोह की एक फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई, जिसमें अर्जुन रणतुंगा लाल कुर्ते में नजर आए, लेकिन उनका बदला हुआ रूप देखकर फैंस हैरान रह गए। श्रीलंका क्रिकेट के स्वर्णिम युग के चार दिग्गज, सनथ जयसूर्या, अरविंद डी सिल्वा, अर्जुन रणतुंगा और मुथैया मुरलीधरन, हाल ही में तमिल यूनियन के 125वें स्थापना समारोह में एक साथ नजर आए। यह वही चौकड़ी है जिसने 1996 में श्रीलंका को विश्व कप जीत दिलाई थी। सभी दिग्गज जब मंच पर साथ दिखे तो क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह एक भावनात्मक पल था। हालांकि, इस समारोह में एक चौंकाने वाली घटना घटी। समारोह की एक फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई, जिसमें अर्जुन रणतुंगा लाल कुर्ते में नजर आए, लेकिन उनका बदला हुआ रूप देखकर फैंस हैरान रह गए। कभी भारी शरीर वाले रणतुंगा अब बेहद स्लिम और फिट दिख रहे हैं, जिससे कई लोग उन्हें पहचान ही नहीं पाए। एक यूजर ने तो लिखा– क्या लाल कुर्ते वाला वाकई रणतुंगा हैं?

एशिया कप ट्राफी विवादः मोहसिन नकवी की दोहरी भूमिका पर बीसीसीआई ने जताई आपत्ति

नकवी इस समय एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष भी हैं, और इसी दोहरी भूमिका को लेकर अब विवाद गहरा गया है

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप 2025 खत्म हुए करीब छह हफ्ते बीत चुके हैं, लेकिन भारतीय टीम को अब तक ट्रॉफी नहीं मिली है। 28 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए फाइनल में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर अपना नौवां एशिया कप खिताब जीता था। लेकिन मैच के बाद जो दृश्य सामने आए, उसने पूरे क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। दरअसल, भारतीय टीम ने ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया, क्योंकि उसे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन और साथ ही पाकिस्तान के इंटीरियर मिनिस्टर मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेनी थी। नकवी इस समय एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष भी हैं, और इसी दोहरी भूमिका को लेकर अब विवाद गहरा गया है।

BCCI अब ICC मीटिंग में उठाएगा मामला

टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई अब इस पूरे मामले को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की बोर्ड मीटिंग में उठाने जा रहा है, जो इस हफ्ते दुबई में होने वाली है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बीसीसीआई ने मोहसिन नकवी के खिलाफ आरोपों की एक सूची तैयार की है और उनकी पात्रता पर सवाल उठाने वाला प्रस्ताव रखने वाला है। बीसीसीआई का कहना है कि किसी व्यक्ति का सरकारी पद और खेल प्रशासनिक पद दोनों एक साथ संभालना आईसीसी के गवर्नेंस नियमों का उल्लंघन है। मोहसिन नकवी न केवल पाकिस्तान के इंटीरियर मिनिस्टर हैं, बल्कि पीसीबी और एसीसी दोनों के प्रमुख पदों पर भी बैठे हैं।

ट्रॉफी हैंडओवर विवाद बना वजह

सूत्रों के मुताबिक, ट्रॉफी हैंडओवर को लेकर स्थिति अब भी अस्पष्ट है। बीसीसीआई सचिव देवजीत

सैकिया ने हाल ही में कहा कि इस मुद्दे को लेकर पहले ही एसीसी को एक औपचारिक पत्र भेजा गया था, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि शुक्रवार को होने वाली आईसीसी बोर्ड मीटिंग में बीसीसीआई इस मामले को औपचारिक रूप से उठाएगा। सैकिया ने संकेत दिया कि इस देरी को लेकर बोर्ड बेहद गंभीर है और इसे खेल भावना और संगठनात्मक पारदर्शिता के खिलाफ मानता है।

अफगानिस्तान बोर्ड भी देगा समर्थन

टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई को इस मामले में अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (।ब्ठ) का भी समर्थन मिल सकता है। दरअसल, हाल ही में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच रिश्ते तब और बिगड़ गए जब पाकिस्तान की एक कथित सैन्य कार्रवाई में तीन अफगान घरेलू क्रिकेटरों की मौत हो गई। इसके बाद अफगानिस्तान ने पाकिस्तान में होने वाली त्रिकोणीय सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया था।

ट्रॉफी रह गई अधूरी जीत की कहानी

एशिया कप फाइनल के बाद का दृश्य बेहद असामान्य था। भारतीय टीम मैदान पर खड़ी रही, लेकिन ट्रॉफी उठाने से मना कर दिया। मोहसिन नकवी जब मंच पर पहुंचे, तब भारतीय खिलाड़ियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और अंततः नकवी ट्रॉफी लेकर चले गए। इसके बाद भारत की जीत का जश्न बिना ट्रॉफी और मेडल के मनाया गया, जो क्रिकेट इतिहास में शायद पहली बार हुआ। इस घटना ने न केवल भारत–पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों को और तनावपूर्ण बना दिया, बल्कि एशियन क्रिकेट काउंसिल की साख पर भी सवाल खड़े कर दिए।

अब नजरें ICC मीटिंग पर

अब सबकी निगाहें ICC की बोर्ड मीटिंग पर टिकी हैं, जहां बीसीसीआई औपचारिक रूप से यह मामला उठाने वाला है। संभावना है कि यह मुद्दा एशिया कप ट्रॉफी की वापसी और मोहसिन नकवी की दोहरी भूमिका दोनों पर केंद्रित रहेगा। अगर ICC इसे गंभीरता से लेता है, तो आने वाले महीनों में एशियन क्रिकेट काउंसिल की नेतृत्व संरचना में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। फिलहाल, भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत का जश्न ट्रॉफी के बिना अधूरा ही बना हुआ है और क्रिकेट फैंस इसी जवाब का इंतजार कर रहे हैं कि आखिर वह ट्रॉफी अब तक कहां है।

पीएम मोदी से स्किन केयर रूटीन पूछने वाली हरलीन के क्यूट लुक्स

स्पोर्ट्स डेस्क। हरलीन ने ट्रॉफी और साथी खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें साझा कीं। इस दौरान वह काले चश्मे में नजर आईं। उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत कौर, रेणुका ठाकुर और ऋचा घोष के साथ भी तस्वीरें साझा कीं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज हरलीन देओल इन दिनों चर्चा में हैं। 2025 में वनडे विश्व कप चैंपियन बनने वाली भारतीय टीम की सदस्य रहीं हरलीन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान एक ऐसा सवाल पूछा था, जिससे खुद पीएम भी चौंक गए थे। अब हरलीन ने मुलाकात के बाद की तस्वीर साझा की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'वो ट्रॉफी वाली फीलिंग'। हरलीन ने ट्रॉफी और साथी खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें साझा कीं। इस दौरान वह काले चश्मे में नजर आईं। उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत कौर, रेणुका ठाकुर और ऋचा घोष के साथ भी तस्वीरें साझा कीं। हरलीन इन तस्वीरों में बेहद क्यूट लग रही हैं। हरलीन भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सबसे खूबसूरत खिलाड़ियों में से एक हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को चैंपियन टीम इंडिया से मुलाकात की थी, जिसका पूरा वीडियो गुरुवार को जारी किया गया था। इस दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने चुलबुले अंदाज में पीएम से उनका स्किन केयर रूटीन पूछ दिया। इस पर प्रधानमंत्री ने मजाकिया अंदाज में अपना सिर पकड़ लिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

हरलीन से पीएम मोदी ने पूछा यह सवाल

दरअसल, बातचीत के दौरान हरलीन देओल ने बताया कि उन्हें टीम के खिलाड़ियों को हंसाना पसंद है और वह अपने आसपास खिलाड़ियों को खुश देखना पसंद करती हैं। और इसके लिए वह कुछ न कुछ हरकतें करती रहती हैं। इस पर पीएम मोदी ने हरलीन से पूछा– यहां आकर भी कुछ किया होगा? तो हरलीन ने कहा– इन लोगों ने मुझे डांट दिया था। कहा कि शांत रहो। इस पर पीएम मोदी के साथ साथ सभी खिलाड़ी हंसने लगे।

हरलीन ने पीएम मोदी से पूछा स्किन केयर रूटीन

इसके बाद हरलीन कहती हैं, 'सर मुझे आपकी स्किन केयर रूटीन पूछना है। आप बहुत ग्लो करते हो सर।' इस पर पीएम मोदी समेत सभी लोग हंसने लगे। पीएम मोदी ने मजाकिया अंदाज में अपना सिर पकड़ लिया। उन्होंने कहा, 'मेरा इस विषय पर ज्यादा ध्यान नहीं गया था।' इस पर स्नेह राणा ने कहा, 'सर यह करोड़ों देशवासियों का प्यार है।' पीएम मोदी ने कहा, 'यह तो है ही है। यह बहुत बड़ी ताकत होती है। समाज से इतना लगाव। सरकार में भी रहते काफी समय बीत गए। यह लंबा समय होता है।'

कोच मजूमदार बोले– बाल सफेद हो गए

इस पर कोच अमोल मजूमदार ने चुटकी लेते हुए कहा, 'सर देखा आपने सवाल कैसे आते हैं। अलग अलग कैरेक्टर्स हैं। दो साल हो गए इनके हेड कोच रहते। बाल सफेद हो गए मेरे।' इस पर पीएम मोदी हंसने लगे।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

'करीब आकर निजी सवाल...

बांग्लादेश की जहानारा का सनसनीखेज खुलासा पूर्व चयनकर्ता पर लगाए यौन उत्पीड़न के आरोप

स्पोर्ट्स डेस्क। जहानारा ने बांग्लादेशी पत्रकार रियासत अजीम के यूट्यूब चैनल पर दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'मुझे कई बार अशोभनीय प्रस्ताव मिले, सिर्फ एक बार नहीं। जब आप टीम से जुड़े होते हैं, तो कई चीजें कह नहीं पाते। जब आपकी रोजी–रोटी उसी से जुड़ी हो, तब आवाज उठाना मुश्किल होता है।'

बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज जहानारा आलम ने पूर्व चयनकर्ता और पूर्व क्रिकेटर मंजुरुल इस्लाम पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। जहानारा, जो इस समय मानसिक स्वास्थ्य कारणों से टीम से बाहर हैं, ने खुलासा किया कि उन्हें 2022 महिला वनडे वर्ल्ड कप के दौरान राष्ट्रीय टीम प्रबंधन की ओर से अशोभनीय प्रस्ताव मिले थे। उन्होंने यह भी बताया कि मंजुरुल इस्लाम ने उनके इन प्रस्तावों को ठुकराने के बाद उनके करियर में रुकावटें डालनी शुरू कर दीं। इससे पहले जहानारा ने बांग्लादेश महिला टीम की कप्तान निगार सुल्ताना पर भी मारपीट के गंभीर आरोप लगाए थे।

'कई बार किया गया अपमान, लेकिन बोल नहीं पाई'

जहानारा ने बांग्लादेशी पत्रकार रियासत अजीम के यूट्यूब चैनल पर दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'मुझे कई बार अशोभनीय प्रस्ताव मिले, सिर्फ एक बार नहीं। जब आप टीम से जुड़े होते हैं, तो कई चीजें कह नहीं पाते। जब आपकी रोजी–रोटी उसी से जुड़ी हो, तब आवाज उठाना मुश्किल होता है।' उन्होंने बताया कि कई बार उन्होंने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (ठब्ठ) के वरिष्ठ अधिकारियों से मदद मांगी, लेकिन किसी ने भी कार्रवाई नहीं की।